टूटे हुए कुंओं खोदने की गलतियाँ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यिर्मयाह 2:13
“क्योंकि मेरे लोग ने दो बुराइयाँ की हैं। उन्होंने मुझे, जीवन
देने वाले पानी के स्रोत को छोड़ा, और अपने लिए टूटे हुए कुंए
खोदे, जो पानी नहीं रोक सकते।”

प्रिय भाई‑बहनों, स्रोत (spring) और कुआँ (cistern) में बहुत बड़ा अंतर होता है।
एक स्रोत वह जगह है जहाँ पानी अपने आप बहता है। इसे खोदने या ठीक करने की जरूरत नहीं होती—यह हमेशा ताज़ा पानी देता रहता है।
लेकिन कुआँ वे हैं जिन्हें इंसान खुद खोदते हैं। वे बारिश के पानी पर भरोसा करते हैं कि वह कुएँ को भर देगा। पर कई बार पानी जमीन के अंदर रिस जाता है और कुआँ सूख जाता है। ऐसे कुओँ का पानी अक्सर साफ नहीं होता क्योंकि यह स्थिर रहता है और उसमें गंदगी या छोटे‑छोटे जीव पड़ सकते हैं—जैसा कि स्रोत के पानी में नहीं होता।

अब प्रभु हमें बताते हैं कि लोगों ने दो बड़ी गलतियाँ की हैं।
पहली गलती यह कि उन्होंने ईश्वर को छोड़ दिया, वह स्रोत जिसे जीवन देने वाला पानी कहा गया है। वे प्यासे हैं, पर वह पानी नहीं पीते जो वास्तव में प्यास बुझाता है। यह अहंकार है—उस चीज़ को ठुकराना जो वास्तव में हमें ज़िन्दगी देती है। अहंकार अंततः विनाश की ओर ले जाता है। यह वैसा ही है जैसे कोई जानता हो कि वह बीमार है, लेकिन दवा लेने से इनकार कर

टूटे हुए कुंओं खोदने की गलतियाँ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

दे।

लेकिन उसी के साथ दूसरी गलती यह कि वे अपनी कृत्रिम स्रोतें खुद बनाने की कोशिश करते हैं। वे खुद अपने लिए कुएँ खोदते हैं यह सोचकर कि यह पानी देंगे—पर उन कुओँ से पानी झरता है और वे जल्दी सूख जाते हैं।

इसी को मूर्तिपूजा कहा जाता है—जब इंसान पैसा, शिक्षा, सफलता, सुख‑सुविधा, मदिरा, या किसी और चीज़ को भगवान की जगह रख लेता है। वह समझता है कि यही उसकी ज़िन्दगी का समाधान है—और इसी को अपने जीवन का स्रोत मान लेता है। परन्तु ऐसे स्रोत स्थायी नहीं हैं; वे केवल थोड़े समय के लिए आराम देते हैं, और अंत में पछतावा छोड़ते हैं।

लेकिन आशा अभी भी है।

यीशु ही सच्चा जीवन देने वाला स्रोत हैं।
आपको उसके लिए खुद मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है—यह पानी पहले से ही उपलब्ध है। बस आइए और पीजिए।
परमपाप की प्यास और सांसारिक इच्छाओं से मुक्त हो जाइए, और शांति तथा समृद्धि से भरा जीवन जिएँ। वह पानी जो यीशु देते हैं, वह अनंत जीवन देता है।

यूहन्ना 4:13‑14

टूटे हुए कुंओं खोदने की गलतियाँ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“यीशु ने उत्तर दिया और कहा, ‘जो कोई इस पानी को पीता है, वह फिर
प्यासा होगा;
लेकिन जो उस पानी को पीयेगा जो मैं उसे दूँगा, वह कभी प्यासा नहीं होगा। वह पानी उसके अंदर एक ऐसा स्रोत बनेगा जो जीवन के लिए बहता रहेगा।’”

टूटे हुए कुओं को भूल जाइए।
प्रभु की ओर मुड़िए—वही असली प्यास बुझाते हैं।

ईश्वर हम सबकी सहायता करें।
शालोम।

Share on:
WhatsApp